।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

आमंत्रण-पत्र

बैठक क्रमांक : 2/वर्ष 2021-23 **दिनांक : 08 सितम्बर 2023**

आम सभा

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति की सत्र 2021–23 की आमसभा श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी मेहता की अध्यक्षता में 15 अक्टूबर 2023, रविवार सायं 08:30 से नीमच (म.प्र.) में आयोजित होनी प्रस्तावित है। महिला समिति के समस्त साधारण–आजीवन सदस्याएं, शीर्षपदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष–महामंत्री, सभी अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिकाएं, कार्यसमिति सदस्याएं, विशेष आमंत्रित सदस्याएं सादर आमंत्रित हैं। **आप सभी से निवेदन है कि सभी केसरिया गणवेश में पधारें।**

:: कार्यसूची ::

1. मंगलाचरण एवं संकल्पसूत्र वाचन।
2. विगत वार्षिक विशेष आमसभा (दिनांक 03 जुलाई, नीमच में आयोजित) के कार्यवृत्त की स्वीकृति, अंगीकृति एवं अनुमोदना।
3. अध्यक्षा अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
4. सत्र 2023–25 के लिए राष्ट्रीय महामंत्री का मनोनयन।
5. राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्‌बोधन।
6. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।

कृपया अवश्य पधारें।

::: विनीत :::

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

बैठक स्थल : - नीमच (मध्यप्रदेश)

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्‌टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म. सा. व आज्ञानुवर्ती संत/सतिया जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ सहज ही प्राप्त होगा।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

विगत वार्षिक विशेष आम सभा

कालावधि	:	**2021-23**	**बैठक क्रमांक**	:	**2**
दिनांक	:	**03 जुलाई 2023**	**समय**	:	**दोपहर 01:15 बजे से**
प्रतिभागी सदस्य	:	**135-140 (लगभग)**	**सुगमकर्ता**	:	**राष्ट्रीय महामंत्री**
बैठक स्थल	:	**सुन्दरम् मैरिज गार्डन, नीमच (म.प्र.)**			

विशेष आमसभा कार्यवृत्त के मुख्य बिन्दु

विशेष आमसभा बैठक की शुरुआत तरुण तपस्वी, प्रशांतमना, उत्क्रांति प्रणेता आचार्य श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत वाचानाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनि जी म.सा. एवं सभी चारित्र आत्माओं के चरणों में वंदन करते हुए मंगलाचरण से की गई। मीटिंग का संचालन रा. महामंत्री श्रीमती सुमन जी सुराणा द्वारा किया गया। रा. अध्यक्षा द्वारा सदन को साधुमार्गी संकल्प सूत्र का वाचन करवाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सभा को संबोधित करते हुए सदन से विगत आमसभा मीटिंग की रिपोर्ट की स्वीकृति प्राप्त की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्षा जी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि हमारी पूर्व अध्यक्षाएं जिन्होंने महिला समिति की नींव एक बीज के रूप में रखी थी आज वह एक वटवृक्ष का रूप ले लिया है। आगे उन्होंने निवेदन किया कि जो कार्य महिला समिति की आजीवन सदस्याओं द्वारा संपन्न हुआ है। पद आज है कल नहीं है परंतु एक श्राविका का पद हमेशा रहेगा और श्राविका के रूप में संघ विकास में कार्य करने का आग्रह किया। गणवेश की एकरूपता के बारे में बताया जिसमें सभी को केशरिया गणवेश को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। संघ में मैत्रीभाव का विकास हो जिसमें प्रत्येक सदस्य के प्रति हमारे भाव वात्सल्य एवं सम्मानपूर्वक हो। महत्तम महोत्सव में चल रही गतिविधि गुदड़ी के लाल के बारे में बताते हुए संघ में छुपी प्रतिभा जो संघ विकास में कार्य करने के इच्छुक हैं उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास रहना चाहिए और महत्तम महोत्सव से जुड़ने एवं जोड़ने का आग्रह किया। चातुर्मास एवं शेष काल में संघ से नए–नए व्यक्तियों को जोड़ते हैं उनको अपनी प्रवृत्तियों से अवगत करवाने एवं संघ से जोड़े रखने की हमारी जिम्मेदारी रहती है। आजीवन सदस्यों का डाटा अपडेट करवाने का आग्रह किया। सभी प्रवृत्तियों को स्थानीय स्तर पर सुचारू रूप संचालन किया जाना चाहिए। स्थानीय स्तर पर जैन संस्कार पाठ्यक्रम, कर्म ग्रंथ, श्रुत आरोहक एवं अन्य सभी की परीक्षा को सफल बनाने का प्रयास करना है। भ्रूणहत्या त्याग संकल्प–पत्र भरने एवं भरवाने का आग्रह किया। श्रावक–श्राविका का पद सर्वोच्च है कहते हुए अपनी वाणी को विराम दिया।

महत्तम-महोत्सव की सह–संयोजिका सभा को संबोधित करते हुए महत्तम महोत्सव में चल रहे आयाम के बारे में जानकारी दी। सभी को महत्तम–महोत्सव को स्थानीय स्तर पर सभी को जोड़ने का आग्रह किया। सभी को इन्द्रधनुष किताब पढ़ने का आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा नीमच संघ से पधारे हुए सदस्यों का अभिनंदन किया गया।

श्री संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा सभा को संबोधित करते हुए महिला शक्ति के गौरव को बताया। नेतृत्वकर्ता वही है जो पीछे रहकर अपनी टीम को आगे बढ़ाता है और संघ विकास में सहयोगी होता है। **आगामी सत्र 2023-25** के लिए श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के **राष्ट्रीय अध्यक्षा** के लिए **श्रीमती पुष्पा जी मेहता, चित्तौड़गढ़** का नाम मनोनयन किया गया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष (श्री.अभा.सा. जैन संघ), वर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री, कोषाध्यक्ष एवं सभा द्वारा श्रीमती पुष्पा जी मेहता को श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा पद पर पुनः मनोनयन होने पर हार्दिक बधाई दी।

।। जय गुरु नाना ।। **।। जय महावीर ।।** **।। जय गुरु राम ।।**

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति
(श्री अ. भा. सा. जैन संघ)

प्रवृत्तियां

संगठन

हो Communication हमारा-तुम्हारा
तो Connection बढ़े हमारा।।

जिस प्रकार अक्षर से अक्षर मिला शब्द और शब्दों से वाक्य व वाक्यों से वक्तव्य इसी प्रकार संघ संगठन को मजबूत करने का एक प्रयास हमारा भी रहे।

स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री एवं संगठन संयोजिकाओं से निवेदन है कि अपने-अपने क्षेत्र में हर 3 कि.मी की दूरी में हर सप्ताहिक/पाक्षिक मंडल लगवाये जाए अगर गांव या शहर 7 कि.मी. से अधिक है तो। उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उस क्लास में हर मेम्बर के शक्ति के अनुसार स्वाध्याय, थोकड़े, भजन या फिर धर्मकथा के माध्यम से इसका संचालन किया जाये।

इसी विषय के कुछ नियम :

1. संघ की रीति-नीति, नियम एवं धारणाओं की जानकारी।
2. शुद्ध सामायिक (बिना लाईट और बिना सैल की घड़ी के) या संवर (दोनों में से एक जरूरी)।
3. मंडल की शुरुआत एक नवकार मंत्र से करना।
4. मंडल में Talent वाइज स्वाध्याय, थोकड़ा, भजन, प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला एवं लेखन आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाये।
5. चारित्र आत्माएं विराजित हो उनके सानिध्य में मंडल लगे।
6. वंदना के पश्चात् दो लाईन संघ समर्पणा गीत।
7. मंगल पाठ एवं एक छोटा-सा प्रत्याख्यान।
8. संगठन की सभी संयोजिकाओं से निवेदन है कि एक से अधिक मंडल लगते हैं तो स्थानीय स्तर पर अपनी टीम बना लेवें।
9. साधुमार्गी परिवार की सभी महिलाओं को आजीवन सदस्य बनाना।
10. धोवन पानी की पूरजोर प्रभावना की जाए।
11. श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेष में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो।

12. स्थानीय मंडल की चयन प्रक्रिया का आमसभा में होना अनिवार्य है एवं आमसभा की रिपोर्ट अध्यक्ष/मंत्री के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर में भेजना अनिवार्य है।
13. स्थानीय स्तर पर नई बहू का स्वागत करना।
14. स्थानक की सार संभाल –
    a. स्थानक में किसी प्रकार का (श्रावक/श्राविका) चित्र नहीं होना चाहिए।
    b. स्थानक में जीवों की रक्षा/सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए (जाले नहीं होना)।
    c. स्थानक में रखी गई पुस्तकों का समय–समय पर प्रतिलेखन होना आवश्यक है।

केसरिया कार्यशाला

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास...

केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है...

एक आलौकिक संघ। एक अनोखा गणवेश। एक अनूठा कार्य। हर मंडल में। हर जगह...

आगम की अमृत वाणी को कार्य के माध्यम से सरलता से हर मंडल को एक सूत्र में बांध रहा है। पांच वर्ष में अभी प्रयास जारी है हर बार नये क्षेत्रों को धर्म से और संघ से जोड़ने का।

युवती शक्ति – श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 12 वर्ष से अधिक अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति एक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सिंचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अदभुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

A) Discover the Incredible you
B) **गठबंधन**

मोटिवेशनल फोरम – एक प्रोफेशनल व्यक्ति हर कार्य में निपूर्ण हो सकता है और कामयाबी के किसी भी शिखर को छू सकता है, पर जब तक उसमें गुरु के प्रति श्रद्धा और अध्यात्मिकता का विकास नहीं, उसका जीवन अपूर्ण है। इस फोरम से जुड़ी हुई महिलाओं के अध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर, उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना ही इस फोरम का मुख्य उद्धेश्य है।

वुमन मोटिवेशनल फोरम प्रवृति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की महिला प्रोफेशनल का एक मंच तैयार करना। साधुमार्गी परिवार की महिलाएँ जो सी.ए, एम.बी.ए., डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, आई.ए.एस. आदि डिग्री के स्तर पर शिक्षित है, भले वर्तमान में वे इन डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रहे हों, वे सभी इसी श्रेणी में मान्य होंगे।

A) भ्रूणहत्या त्याग संकल्प-पत्र – भ्रूणहत्या त्याग संकल्प–पत्र सभी के द्वारा भरना/भरवाना।

परिवारांजलि – पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना। स्टीकर्स पेस्टिंग के लिए प्रेरित करना।

सर्वधर्मी सहयोग – "खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं" इस मूलमंत्र को आत्मसात् करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है।

समता छात्रवृत्ति – हमारे समाज के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्त्वाधान में कक्षा 1 से लेकर 12 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

अन्य :

धार्मिक शिक्षण शिविर – मिटिंग के दौरान स्थानीय स्तर अधिक से अधिक शिविर लगाने की प्रेरणा करना।

महिला स्वाध्यायी – स्वाध्यायी सेवा देने के लिए अधिक से अधिक बहनों को प्रेरित करना।

धार्मिक परीक्षा – अंचल के क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहनों को धार्मिक परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना। जैन संस्कार पाठ्यक्रम, महत्तम महोत्सव के अंतर्गत आयोजित परीक्षाओं से स्वयं को जोड़ना और सभी को जोड़ने का लक्ष्य रखना।

श्रमणोपासक – स्थानीय गतिविधियों की रिपोर्ट श्रमणोपासक में देने के लिए समय पर रिपोर्टिंग की प्रेरणा करना।

रिपोर्टिंग सिस्टम – स्थानीय, आंचलिक एवं राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाओं द्वारा अपने–अपने स्थानीय, आंचलिक, राष्ट्रीय स्तर पर हुए कार्य का प्रति 4 माह का विवरण गूगल फॉर्म द्वारा देने की प्रेरणा देना।

उच्च शिक्षा योजना – आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. उच्च शिक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा योजना से लाभान्वित होने के लिए श्री संघ द्वारा ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है।

प्रतिक्रमण – अशुभ योग को त्यागकर पुनः शुभ योग में जाना प्रतिक्रमण है। प्रतिक्रमण साधक के लिए निर्जरा का प्रबल कारक है। मोक्षगामी की राह पर चलने की पहली सीढ़ी प्रतिक्रमण है। **अतः सभी को प्रतिक्रमण कंठस्थ करना/करवाना।**

महत्तम महोत्सव – परम पूज्य आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के संयम जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। आचार्य श्री ने दीक्षा के बाद का जीवन उत्कृष्ट संयम का पालन करते हुए साधुमार्गी संघ के भव्य जीवों के उत्थान हेतु समर्पित किया है।

गुरु के प्रति हमारा भी कुछ कर्तव्य होता है। अपने कर्तव्य को पूरा करने का हमारे लिए है खास समय। गुरु दक्षिणा अर्पित करने का है अनुपम अवसर। यह अवसर उपलब्ध करा रहा है गुरुदेव के दीक्षा के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाला आचार्य 'श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव' 'महत्तम महोत्सव'।

महत्तम महोत्सव मतलब अपने आपको ज्ञान, दर्शन, चारित्र से पुष्ट करने का सुअवसर। अपने आपको तपाने का खास अवसर। स्वाध्याय, तप–त्याग आदि के द्वारा अपने कषायों को कम करके कर्म निर्जरा करने का सुयोग। आचार्य श्री के गुणों को जन–जन तक पहुंचाने का सुनहरा अवसर। गुरु के गुणानुवाद में लीन होने का समय।

यह महोत्सव शुरु हो चुका है और फरवरी 2025 तक मनाया जाएगा। इस दौरान 9 तरह के कार्यक्रम सम्पन्न कर आचार्य श्री को गुरु दक्षिणा देने का छोटा सा प्रयास किया जाएगा। आप इनमें से किसी भी तरीके से जुड़कर आराध्य भगवन् को आध्यात्मिक भेंट प्रदान कर सकते हैं। जितने अधिक तरीकों से जुड़ेंगे उतना ही आपके जीवन के लिए बेहतर होगा।

https://sadhumargi.com/mahatammahotsav/#nyanarjan